श्री कृष्ण महाविद्यालय

गोविंदगढ़ (जयपुर)

SHRI KRISHAN MAHAVIDHYALAYA

GOVINDGARH (JAIPUR)

सत्र - 2017 - 18

VILLAGE SURVEY REPORT- SAMOD (JAIPUR)

प्रतिवेदन :– भौगोलिक सर्वेक्षण

नाम :– सामोद

विद्यार्थी का नाम :– बिन्दु यादव

पिता का नाम :– शिवपाल सिंह

रोलनं. :–

कक्षा :– एम.ए./एम.एस.सी पूर्वार्द्ध (भूगोल)

सर्वेक्षणकर्त्री
बिन्दु यादव

निर्देशन
LS (जुगल किशोर निठरवाल)
व्याख्याता भूगोल विभाग

भौगोलिक सर्वेक्षण की विषय सूची

क्र.सं.   परिचय

1 ग्राम की भौतिक स्थिति, नामकरण एवं विस्तार
2. उच्चावच एवं अपवाह तन्त्र
3. सामोद ग्राम का भव्य महल
4 कृषि एवं फलो का उत्पादन एवं सिन्चाई
5 प्राकृतिक वनस्पति
6 मृदा, जलवायु
7 पशुपालन
8 व्यवसाय
9 परिवहन के साधन
10 शिक्षा एवं चिकित्सा व्यवस्था
11 खान-पान रीति रिवाज, धर्म, संस्कृति
12 जनसंख्या
13 समस्याएँ एवं सुविधाएँ,
14 भारत सरकार द्वारा चलाई गई ग्रामीण विकास योजनाएँ।

Topic .... Date .... Page No. ....

एम. ए. पूर्वार्द्ध (भूगोल) पाठ्यक्रमानुसार सत्र - के सर्वेक्षण हेतु दो दिवसीय कार्य अध्ययन के तहत ग्राम सामोद तहसील - चौमू (जयपुर) का चयन किया गया है।

इस ग्राम सर्वे मे भौगोलिक अध्ययन की स्थिति, जलवायु, सांस्कृतिक अवस्था, परिवहन, संचार के साधन, आवास - प्रवास, कृषि, खनिज संसाधन, भूमि के उपयोग, भूमि के प्रकार एवं प्रतिरूप जातिवर्ग बिन्दुओं का अध्ययन किया गया है।

इस ग्रामीण सर्वे में आख्याता कमल जी कम्प्यूटर आख्याता मोहनजी तथा महिला आख्याता मीराजी आदि ने दो दिवसीय प्रतिवेदन मे दल बनाकर सर्वे करवाया गया।

श्री जुगल किशोर जी निहारकाल व्याख्याता भूगोल के निर्देशन मे पूर्ण रिपोर्ट तैयार करवाई गई।

हस्ताक्षर
श्री कृष्ण महाविद्यालय
गोविन्दगढ़ चौमू

हस्ताक्षर सर्वेक्षक

Teacher's Signature ....

भारत में राजस्थान की स्थिति

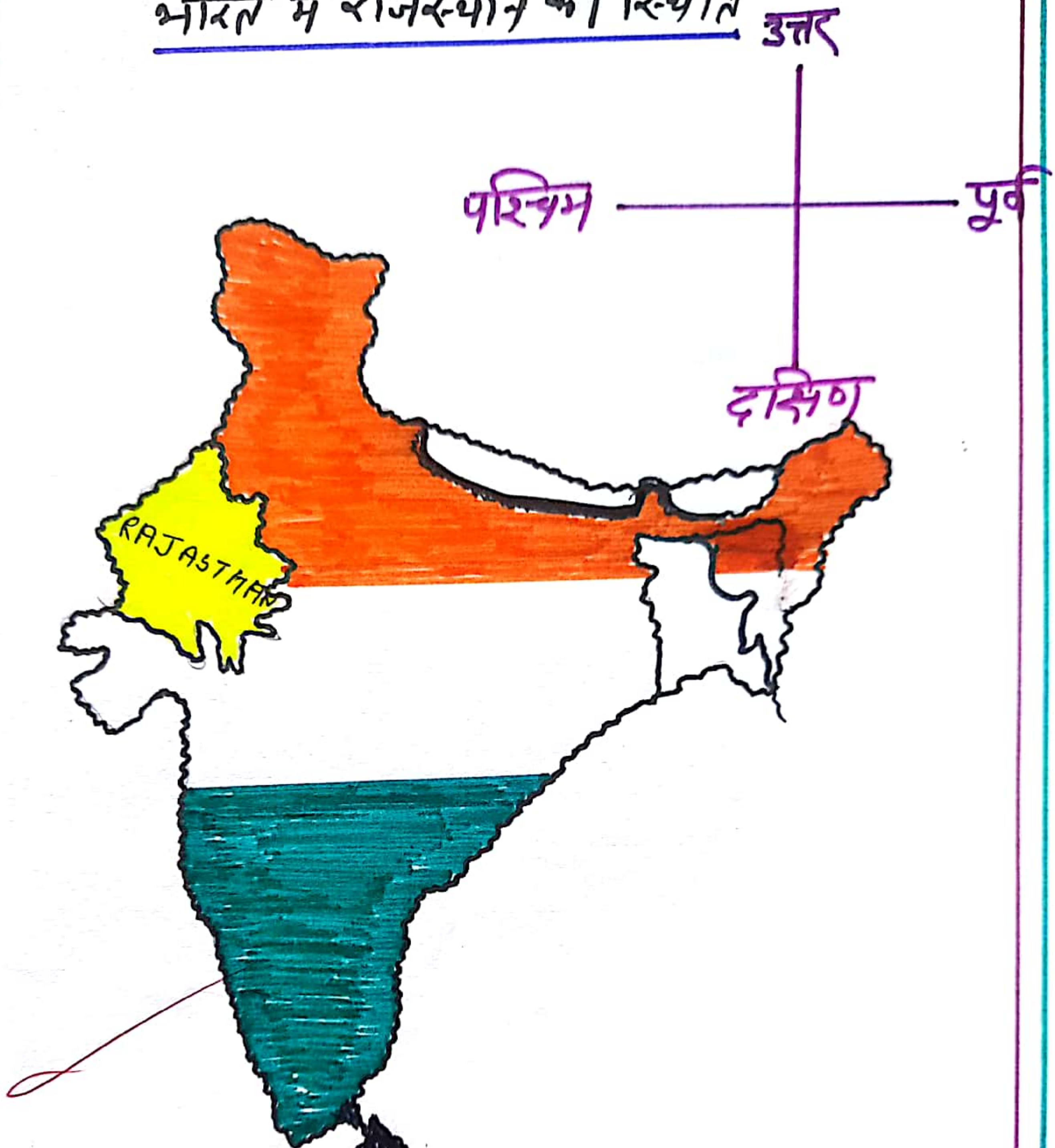

राजस्थान में जयपुर की स्थिति

जयपुर

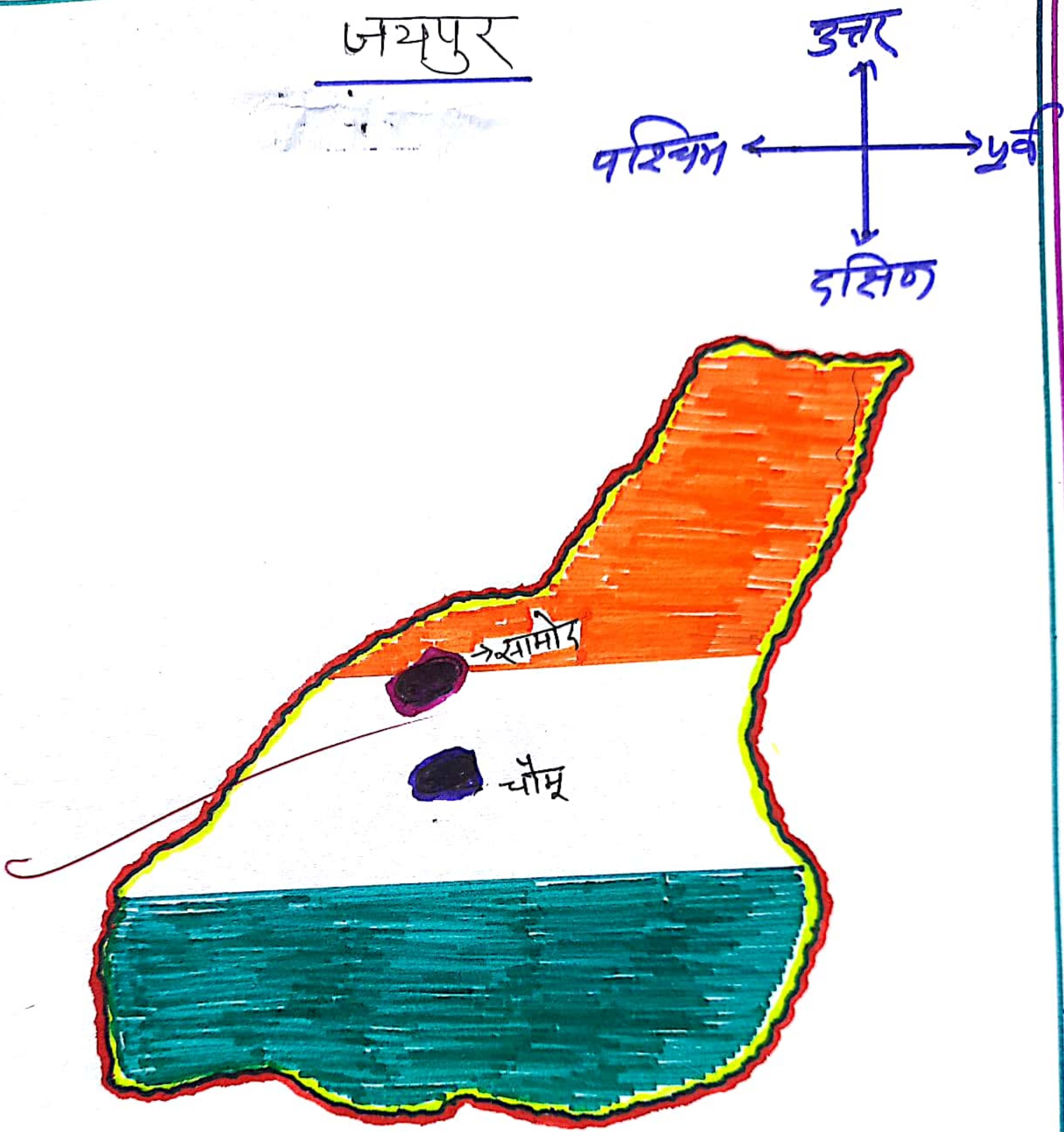

ग्राम-सामोद

ग्राम- सामोद में सर्वेक्षण दल का दृश्य

ग्राम- सामोद

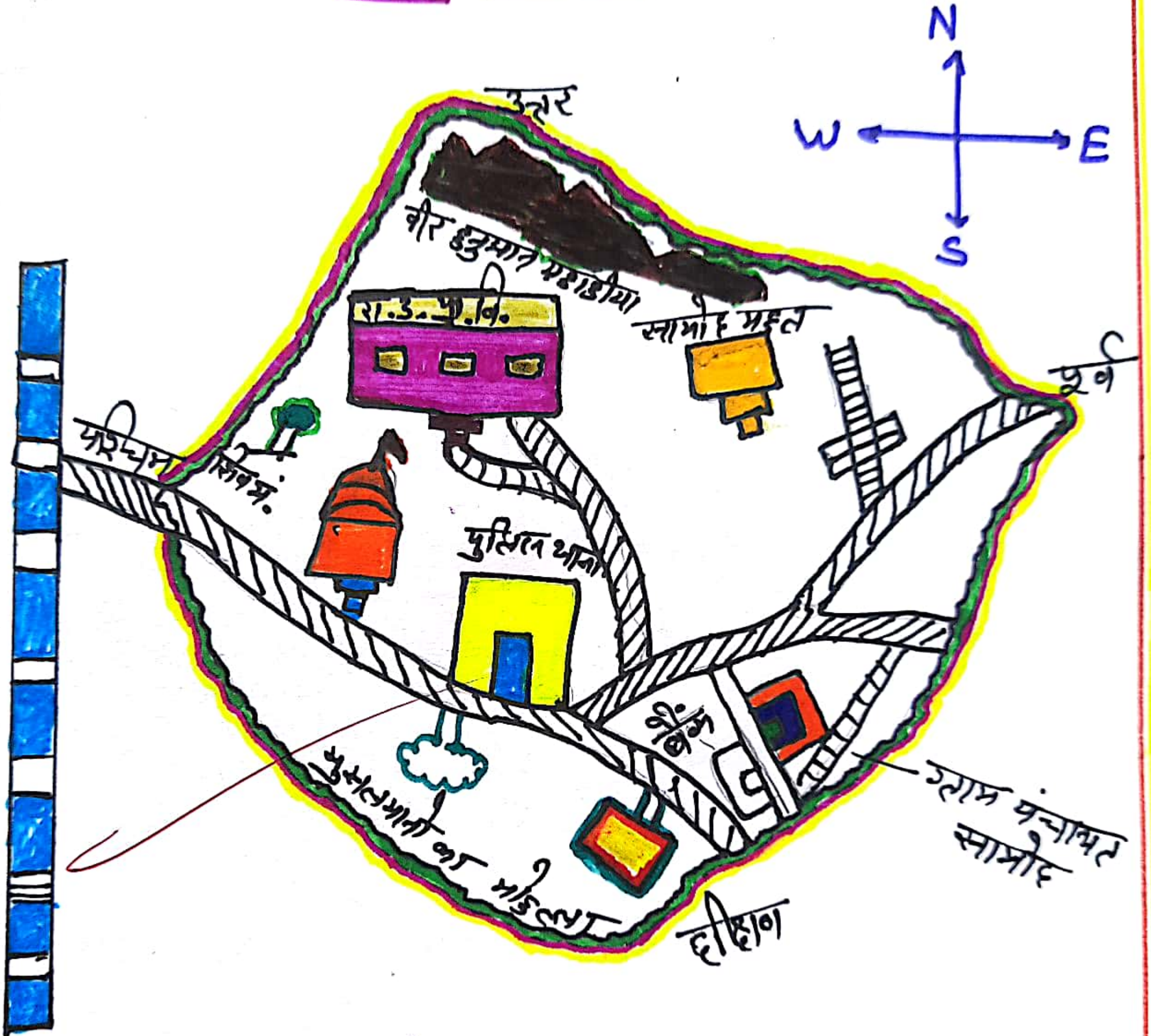

ग्राम· सामोद का नजरी मानचित्र

Topic: गाँव की भौतिक स्थिति एवं नामकरण अवस्थिति :→

सामोद ग्राम पंचायत →

यह ग्राम पंचायत राजस्थान राज्य के जयपुर जिले की चौमू तहसील से 10 किलोमीटर उत्तर - पूर्व में स्थित है तथा यह 27° उत्तरी अक्षांश से 75° पूर्वी देशान्तर के मध्य स्थित है जो गोविन्दगढ़ पंचायत समिति का एक छोटा सा पंचायत स्तर का गाँव है इस ग्राम के चारो ओर 7 दरवाजे होने के कारण इस का नाम सामोद पड़ा और यह गाँव चारो तरफ से ऊची दीवारो से घीरा हुआ है इस ग्राम के अधिकार क्षेत्री मे 45 गाँव आते थे यहा सामोद पैलेस मे 4-5 हाथी थे तथा 70-75 घोडे रहते थे यह ग्राम पहाडियो से घीरा होने के कारण बारिस के समय यहाँ नदी व झरने बहते है।

सामोद ग्राम की कुल जनसंख्या 9365 है

पुरुष	–	4931
महिला	–	4434

सामोद ग्राम चौमू से 10 कि.मी. दुर स्थित है तथा सामोद के पडोसी ग्राम - नागल भरडा, उदयपुरिया, मोयावास, हाथनोदा, महारकला, श्रीली, बासा, कानपुरा, जाटावाली आदि है।

पिन कोड न. - 303806

क्षेत्रफल - 1648 हेक्टेयर

Teacher's Signature

विधि तंत्र:-

विधि तंत्र के अन्तर्गत वे सभी विधियाँ व उपागम शामिल किए जाते है जिन का उपयोग उक्त ग्रामीणो की सामाजिक आर्थिक, स्थिति को सुदृढ़ प्रस्तुत करने के लिए किया जाता है। प्रस्तुत ग्राम सामोद का सामाजिक आर्थिक सर्वेक्षण हेतु हमने सर्वप्रथम प्रस्तुत गाँव का मानचित्र तैयार किया इसकी अवस्थिति राजस्व राज्य की किस जिले की इस तहसील के अन्तर्गत है।

इसका प्रस्तुतीकरण किया तथा इसके पश्चात ग्राम की भौतिक व सांस्कृतिक विशेषताओं को प्रस्तुत करने के लिए निम्न आरेख व आलेख की सहायता की।

(13)

Date
Page

2 उच्चावच :-

अंग्रेजी भाषा के Relief (उच्चावच) शब्द का कई अर्थों मे प्रयोग होता है। भौतिक भूगोल की धरातल ऊँचाइयों के अन्तर की अंग्रेजी मे Relief तथा हिन्दी मे उच्चावच की संज्ञा दी गई।

सामोद ग्राम का ढाल पश्चिम से पूर्व की ओर है। यह राजस्थान की राजधानी जयपुर की तहसील चौमू मे स्थित है।

जयपुर राजस्थान का पूर्वी मैदान प्रदेश है। यह गाँव सम्पूर्ण समतल प्राय है लेकिन इसके पश्चिम भाग उच्चावच नुमा है इसका ढाल पश्चिम से पूर्व की ओर है तथा सघन आबादी क्षेत्र से बाहर विरल आबादी वाला क्षेत्र प्राय समतल है।

सामोद ग्राम का पर्वतीय दृश्य

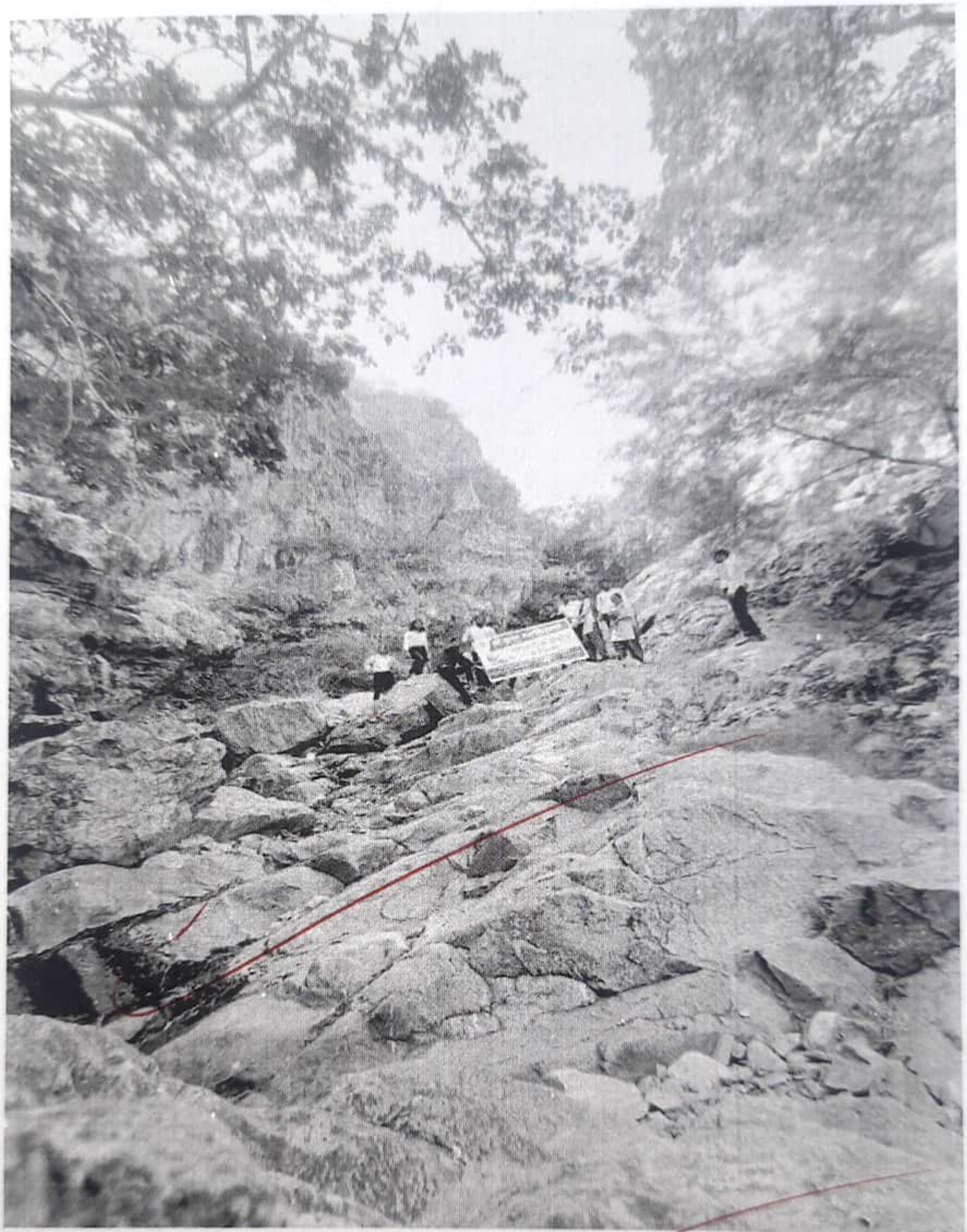

उच्चावच का पर्वतीय क्षेत्र का दृश्य

Date ______
Page ______

2 जल अपवाह तंत्र :-

एक निर्धारित जलमार्ग द्वारा जल के प्रवाह को अपवाह तंत्र कहा जाता है। इस प्रकार के जलमार्गों के जल को अपवाह तंत्र कहा जाता है।

किसी जगह का अपवाह तंत्र धरातलीय रचना भूमी के ढाल संरचनात्मक नियंत्रण शैल के स्वभाव विवर्तनीक क्रियाओ जल की प्राप्ति तथा अपवाह क्षेत्र के भूगर्भिक इतिहास पर निर्भर करता है।

सामोद गॉव का जल अपवाह तंत्र :-

सामोद गॉव मे वर्षा ऋतु मे उसके पश्चिम भाग मे प्राकृतिक दृश्यि वाली पहाडी से पानी का बहाव होता है जो नित्यवाही नदी है, केवल वर्षा ऋतु मे ही नाला बहता है। जो आगे चलकर चौमू, कालाडेरा, रामधल, डुंगरी होता हुआ सांभर लेक मे मिल जाता है।

समस्याएँ :-

वर्षा ऋतु मे इस नाले के बहने के कारण यहॉ पर मुख्य समस्या कटाव (अपरदन) की होती है। जिससे यहॉ पर जितनी भी उपजाऊ मिट्टी बहकर चली जाती है। तथा उपजाऊ मिट्टी का भाग बंजर भूमी मे तबदील

हो जाती है, जिससे वहाँ के किसानों को इस समस्या से जूझना पड़ता है।

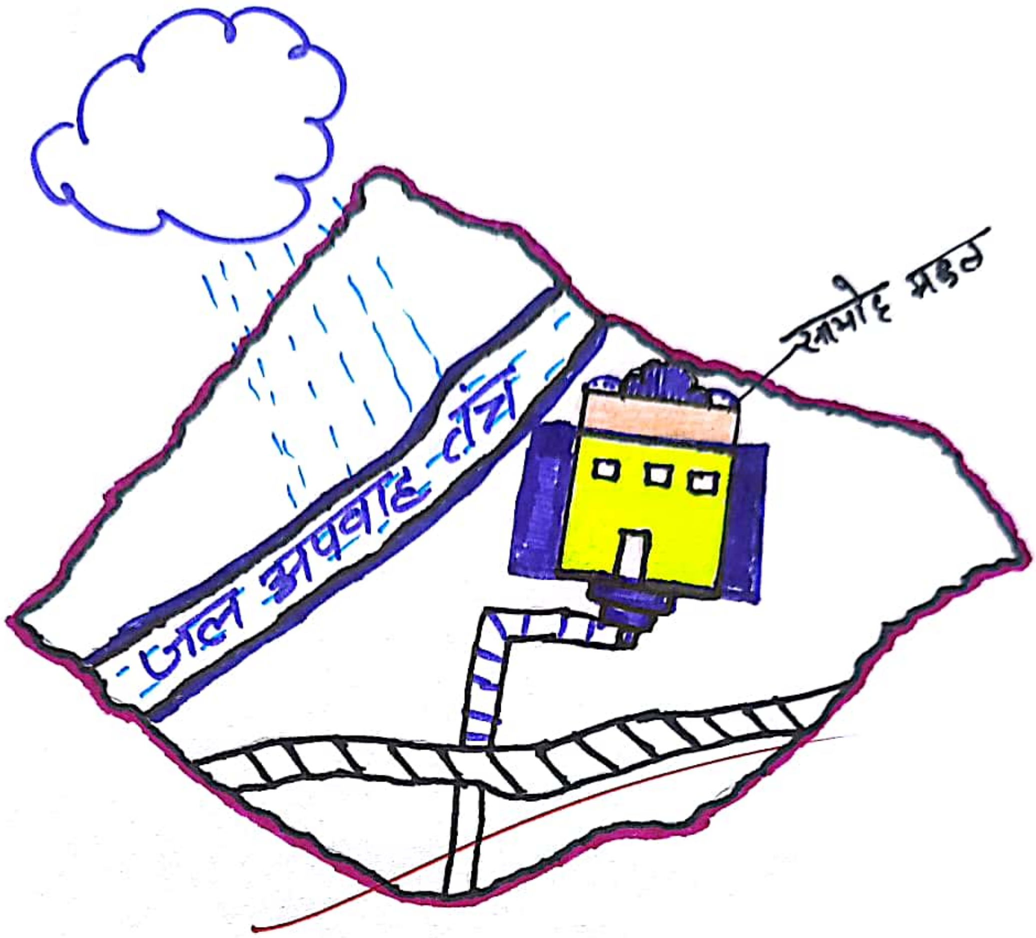

जल अपवाह तंत्र ग्राम सीवा क्षेत्र
चौमूँ

सामोद महल

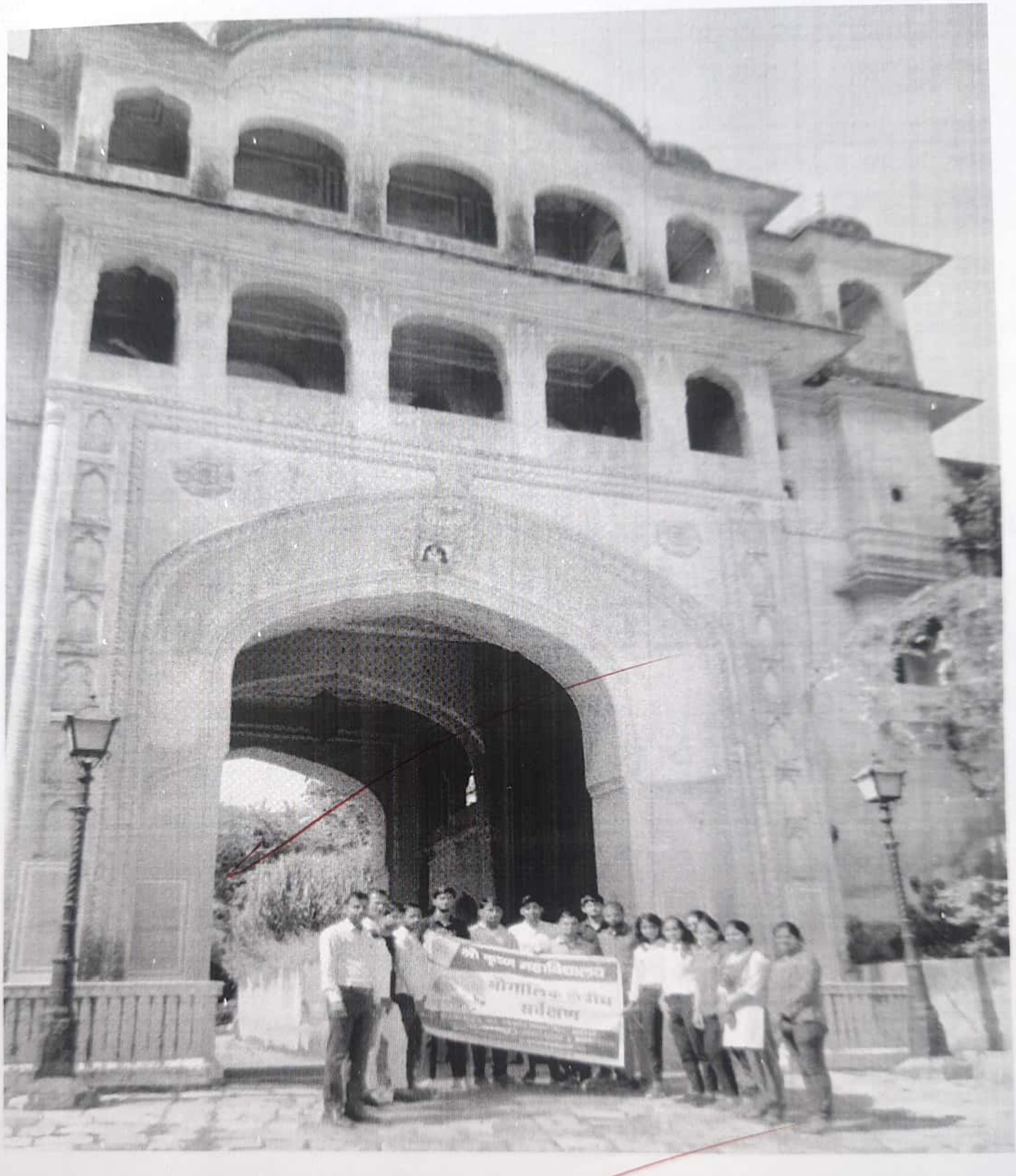

पहाडिओ से घिरा विशाल सामोद महल

(18)

Date ______
Page ______

4 कृषि - सिंचाई

यहाँ पर वर्ष भर कि जाने वाली कृषि फसलो के प्रकार -

क्र.स.	फसल का नाम	फसल उगाने का समय	फल व फसल का नाम
1.	रबी की फसल	अक्टूम्बर - नवम्बर शीत कालीन से मार्च अप्रैल तक	गेहूँ, जौ, चना मैथी, बाजार, गोभी, आलू, प्याज, मूली टमाटर, हरीमिर्च, इत्यादि
2.	खरीब की फसल	जूलाई - अगस्त मे ग्रीष्म कालीन से सितम्बर - अक्टूम्बर तक	संतरा, बैर, इत्यादि बाजरा, मुगफली, ग्वार - ज्वार आदि
3.	जायद की फसल	मई - जून मे	तरबुज खरबुजा रबीरा इत्यादि

महत्व :-

कृषि मनुष्य जीवन का आधार है कृषि से ही मनुष्य का भरण-पोषण होता है। कृषि से मानव समाज की उदर पुर्ति के बाद बचत के उत्पादन से अन्य आवश्यकताओं की पुर्ति होती है।

कृषि से प्राप्त उत्पादो से अनेक प्रकार की वस्तुओं का निर्माण किया जाता है।
कृषि से कई प्रकार के व्यवसाय जुडे होते है
कृषि इससे पशुओं का भरण पोषण भी होता है।

फसल कृषि

रबी की फसल

गेहूं	60%
जौ	23%
सरसों	6%
अन्य	11%

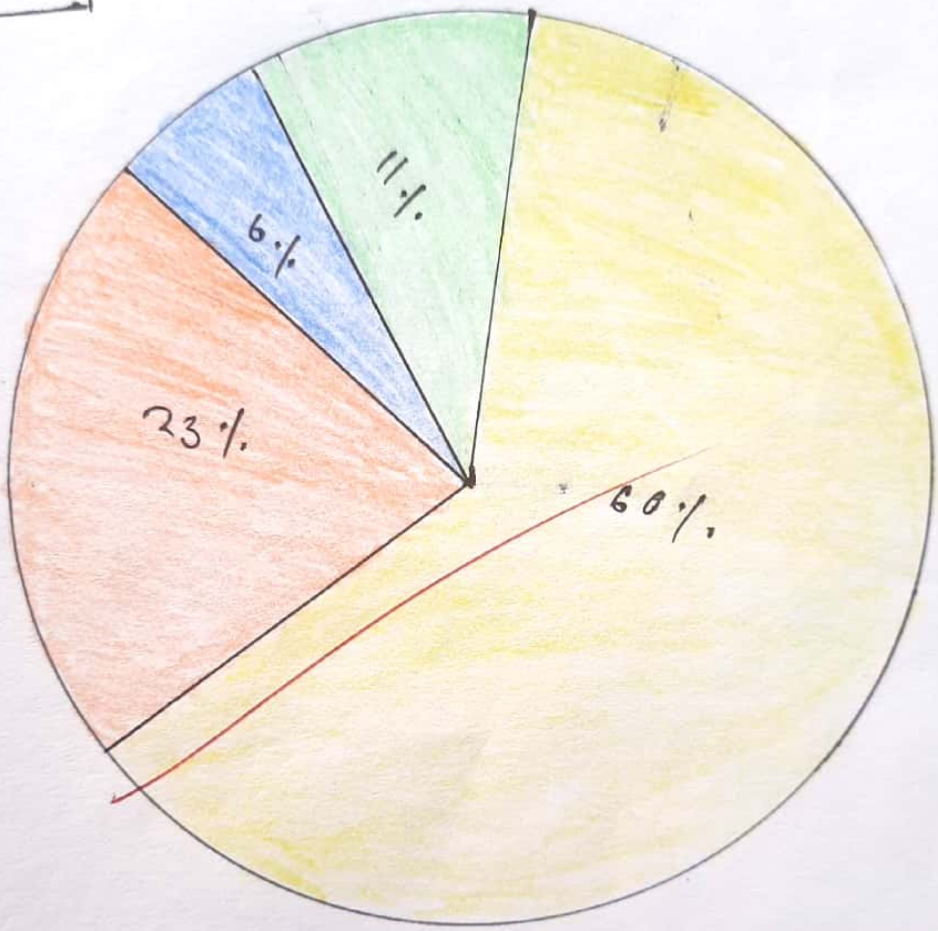

संकेत	चिह्न
गेहूं	
जौ	
सरसों	
अन्य	

खरीफ की फसल

फसल कृषि

खरीफ की फसलें	%
बाजरा	72%
मूंगफली	20%
अन्य	8%

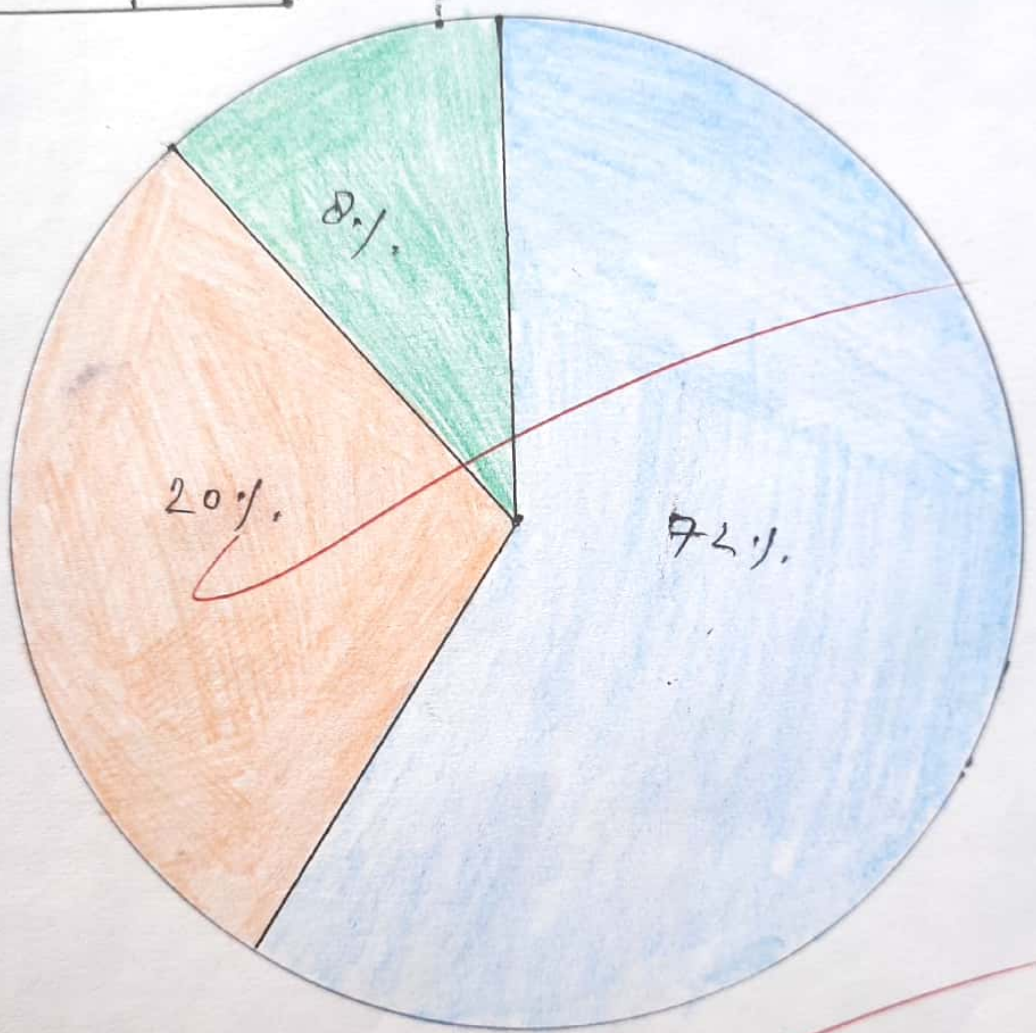

संकेत चिह्न	
बाजरा	
मूंगफली	
अन्य	

फसले

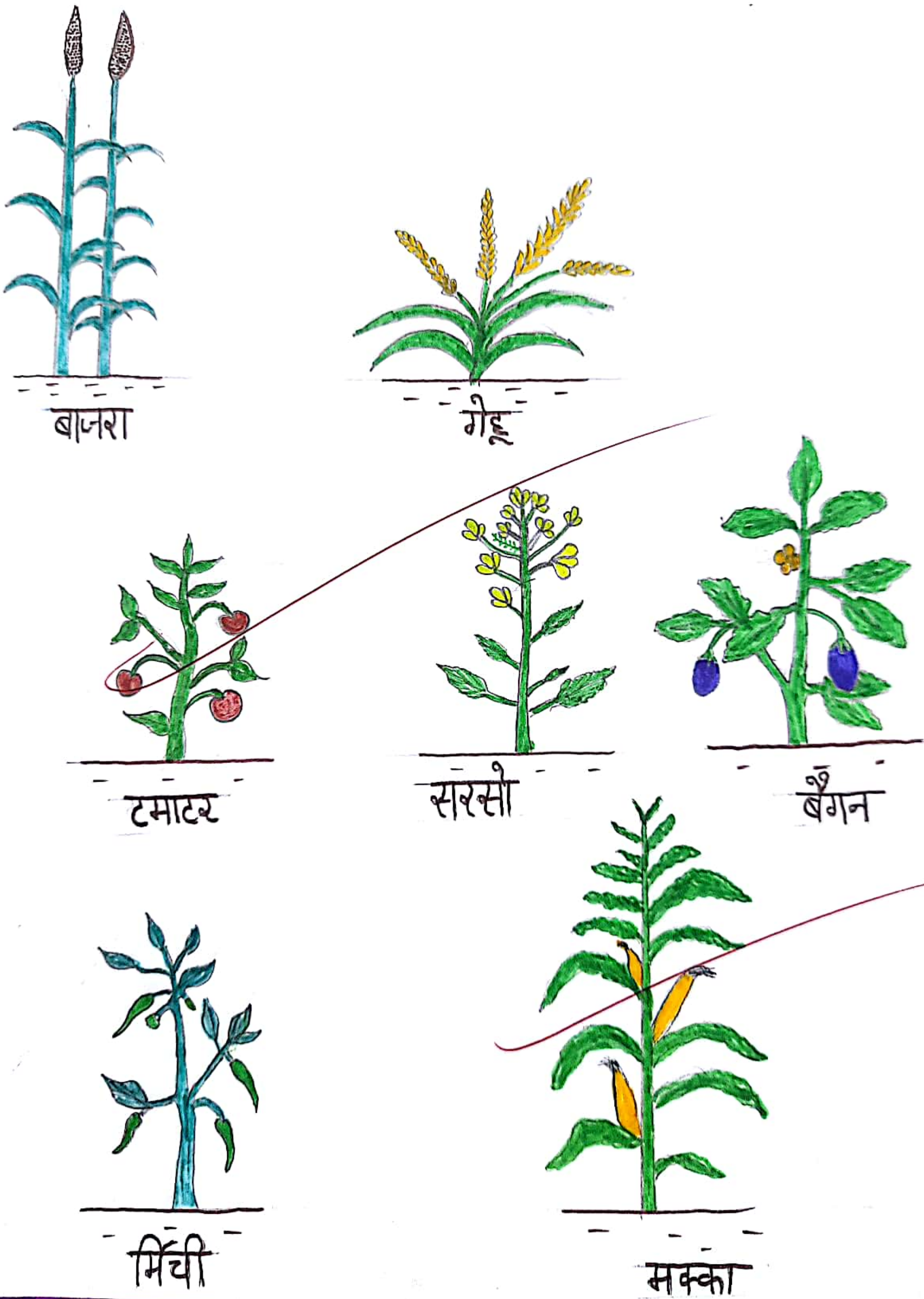

फल, सब्जियाँ व फूल

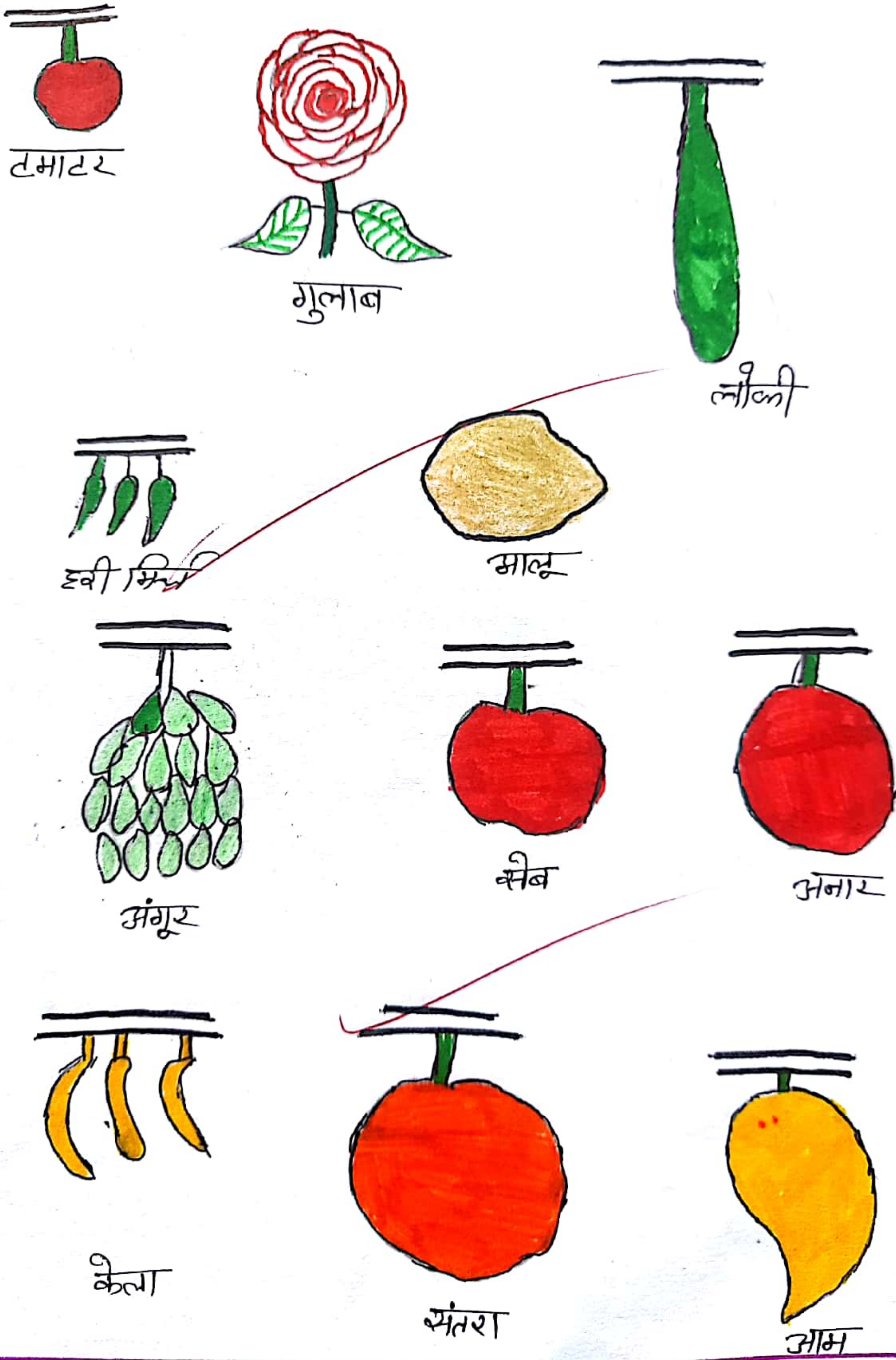

सिंचाई के साधन

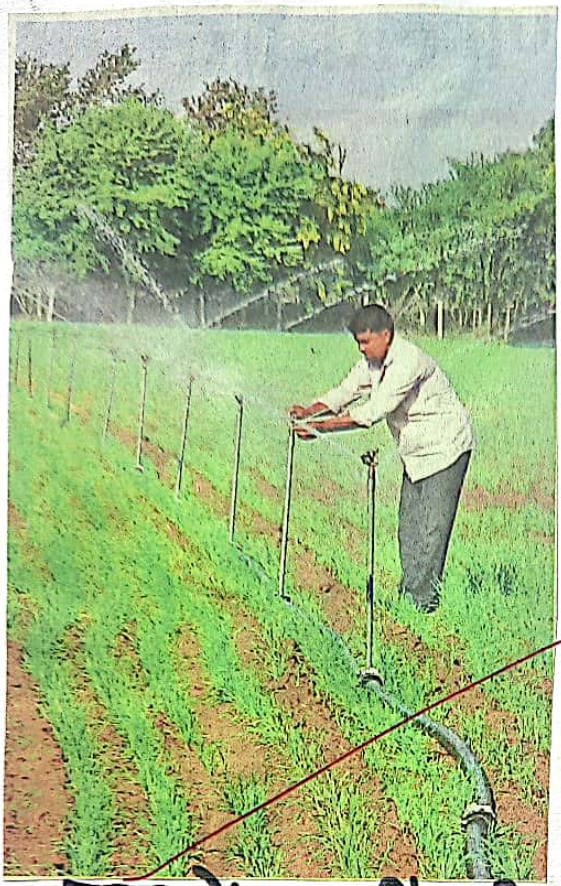

नलकूप से सिंचाई

फव्वारों द्वारा सिंचाई

कृषि फसलों को पाले से बचाने के लिए फसलों को ढकने की विधि

Date ____
Page ____

5 प्राकृतिक वनस्पति ⇒

प्रकृति में वातावरण एवं जलवायु के अनुसार भूमि पर उगने वाले पेड़ - पौधे, घास व वनस्पति कहते है इसमे मानव का कोई योगदान नहीं होता। वनस्पति के प्रकार जलवायु के अनुसार पाये जाते यहाँ की जलवायु सदा उष्ण कटिबंधीय होने के कारण यों पतझड़ वनस्पति पायी जाती है इस क्षेत्र की वनस्पति मे पाये जाने वाले प्रमुख वृक्ष बबूल, नीम खेजड़ी, नींबू, आंवला, इनार्ग यहा पर सर्वाधिक वृक्ष बबूल का है जो सभी वृक्षो से कई गुना अधिक पाया जाता है।

इसके अलावा वृक्ष सफेदा, अशोक, मेहंदी, बरगद, पपीता, बेलपत्र आदि वृक्ष बहुतायत पाया जाता है

यहां का प्रमुख वृक्ष बबूल का है। इस गांव बारीश के समय पहाड़ी भू-भाग व धरातल भाग पर वनस्पति उग जाने के कारण यहां का वातावरण खुशनुमा हो जाता है

इस गांव में बारिश के समय वनस्पति उग जाने के कारण यहाँ का वातावरण खुशनुमा हो जाता है। इस गॉव मे बारिश के समय वनस्पति लोगो के लिए बहुत लाभदायक हो रही है।

वनस्पति के विकास के उपाय :-

सामोद गाँव मे वनस्पति को बढावा देने के लिए हर एक व्यक्ति को जागरूक होना पडेगा। हर एक व्यक्ति द्वारा हर वर्ष कम से कम एक पौधे लगाकर उसकी देखभाल करके बडा बनाये।

6 मृदा :-

किसी भी देश के भौगोलिक अध्ययन मे मिट्टीयों का विस्तृत अध्ययन आवश्यक होता है मिट्टी का निर्माण जलवायु और चट्टानो के विखण्डन से होता है जिसमे अनेक प्रकार के रासायनिक तत्व पाये जाते है। मिट्टी भू-पृष्ठ पर मिलने वाले घटित पदार्थो कि वह उपरी परत है जो मुल चट्टानो या वनस्पति के योग से बनती है। भारत एक कृषि प्रधान देश है यहॉ कृषि प्रवृतिया मिट्टियो के उपजाऊ पन पर टिकी हुई है। भारत एक विशाल देश है इस कारण यहॉ के प्रदेशो मे एक सी मिट्टी नही मिलती है। इस प्रकार सामोद गॉव मे बलुई बंबी पत्थरीली प्रकार की मिट्टी पाई जाती है।

यहॉ कि मिट्टी कुछ क्षेत्रो मे उपजाऊ है। तथा कुछ क्षेत्रो मे अनउपजाऊ तथा कुछ मे पानी की समस्या के कारण बंजर भू भू सामोद गॉव मे देखने को मिली तथा कुछ उपजाऊ क्षेत्रो पर अच्छी फसले तथा मृदा मे 16 पोषक तत्व पाये जाते है।

सामोद की पहाड़ियाँ

अरावली की पहाड़ियों की गोद में मालेश्वरनाथ

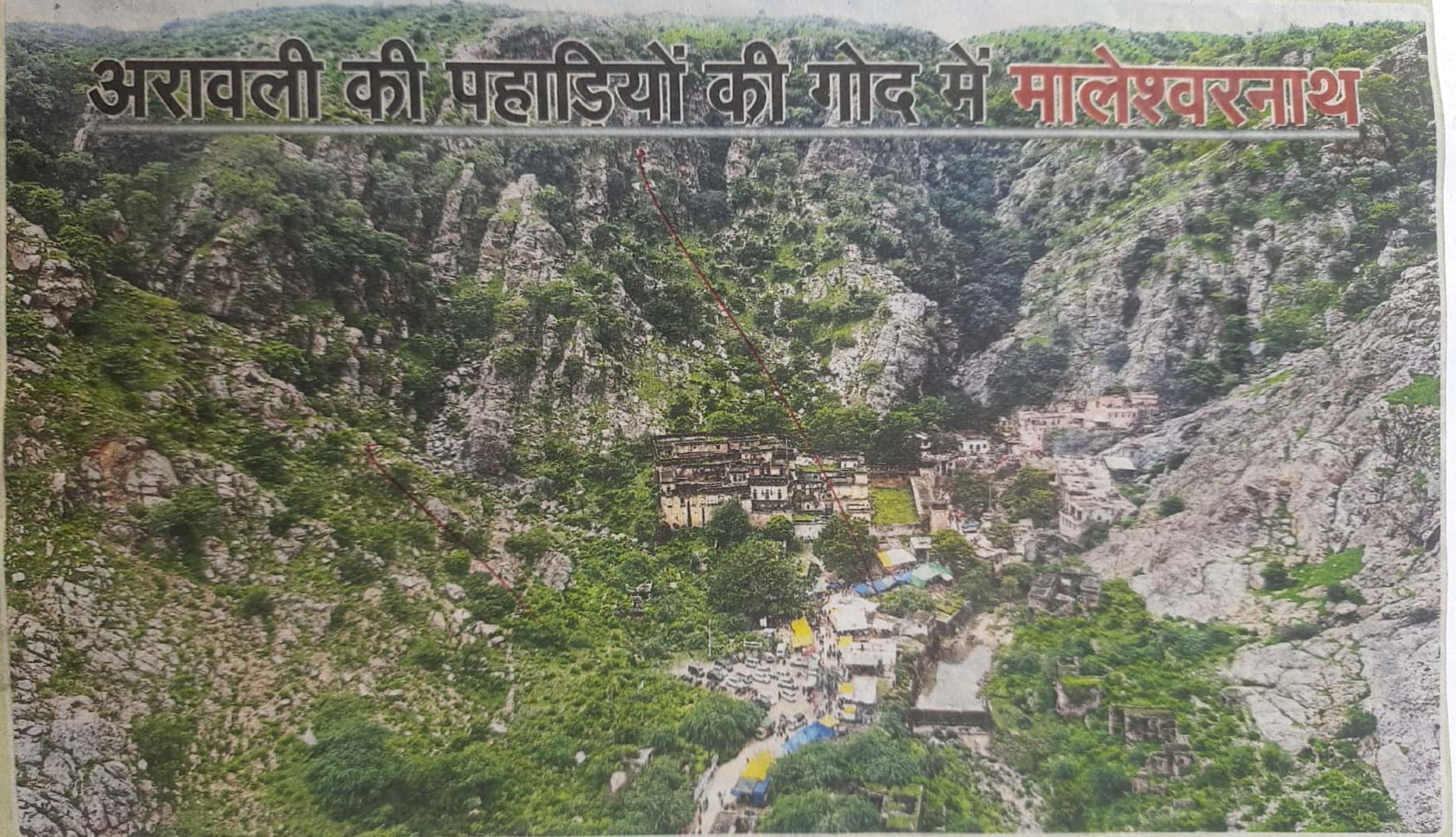

मालेश्वरनाथ धाम का आकर्षक नजारा

सामोद. सावन मास में बारिश में बहते झरनों से चौमूं उपखंड क्षेत्र के गांव महारकलां स्थित मालेश्वरनाथ धाम में इन दिनों हजारों लोग रोजाना पहुंच रहे हैं। वहीं चारों ओर अरावली की पहाड़ियां हरियाली से अटी पड़ी हैं। ऐसा लगता है जैसे बारिश ने प्रकृति का श्रृंगार कर हरियाली की चुनरी ओढ़ा दी हो। पहाड़ी से बहते झरने, कावड़ियों के बोल बम के जयकारे, झरनों पर पर्यटकों की भीड़ हर किसी को अपनी ओर आकर्षित कर रहे हैं। ऐसा मनमोहक नजारा मन्दिर आने वाले श्रद्धालुओं सहित पर्यटकों का स्वागत करते नजर आ रहा है। **ड्रोन सहयोग - नेमीचंद सैनी, फोटो-नवरतन शर्मा**

पहाड़ियों में वनस्पती का दृश्य

Date
Page

राजस्थान के जयपुर जिले में ग्राम-सामोद की मिट्टी सबसे उपजाऊ है मिट्टी से संबंधित अनेक समस्याओं में से एक समस्या मिट्टी का कटाव है। इससे उपजाऊ भूमि भी कृषि के अयोग्य बन जाती है।

मृदा का संरक्षण:-

1. वृक्षारोपण करना
2. पशुचारण को व्यवस्थित करना
3. ढालू भूमि पर गोलाई में समुच्च रैखीय जुताई करना।

जलवायु:-

सामोद गाँव की जलवायु उष्णकटिबंधीय जलवायु है।

वर्षा:-

इस गाँव में 20-25 c वर्षा होती है।

जलवायु:-

इस क्षेत्र में जलवायु की दशाएं पाई जाती है। यहा क्षेत्र राजस्थान के उत्तरी-पूर्वी भाग में स्थित है। इस क्षेत्र में उष्ण जलवायु के कारण ग्रीष्म ऋतु में धूल भरी व गर्म हवाऐं चलती है। जिसको लू कहते है।

Date ______
Page ______

ग्रीष्म ऋतु :-

यह ऋतु मार्च से जून तक रहती है। इस ऋतु में तापमान अधिक पाया जाता है। तेज गर्म हवाएँ चलती है तापमान 45% तक पाया जाता है ग्रीष्म ऋतु में तापमान ज्यादा होने से वाष्पीकरण अधिक होता है। इसी लिए यहाँ बलुई मृदा पाई जाती है।

वर्षा ऋतु :-

वर्षा ऋतु का समय मई से जुलाई तक होता है यहाँ वर्षा बंगाल की खाड़ी के मानसून के शाखा से होती है (दक्षिणी-पश्चिम) इस क्षेत्र में वर्षा की औसत 20-25 तक है।

शीत ऋतु :-

यह ऋतु अक्टूबर से फरवरी तक रहती है इसमें 15 सितम्बर से 30 नवम्बर तक मानसून लौटने का समय माना जाता है। जिसमें आसमान साफ रहता है। तथा तापमान सामान्य रहता है नवम्बर से फरवरी तक को मुख्य शीतकालीन समय माना जाता है।

Date ______
Page ______

7 पशु सम्पदा :→

पशु व्यक्ति की कृषि के बाद दूसरी आवश्यकता है। इस गाँव में पशु हर घर में देखे जा सकते है। यहा की अर्थव्यवस्था में पशुओ का भी एक योगदान है। पशुओ से उत्पाद जैसे दूध, घी, खाद आदि से आय प्राप्त की जाती है प्रत्येक घर में पशुओ की समस्या 2-3 तक है।

पशुओ की खाद में यहाँ कि मिट्टी से उर्वरकता बनी रहती है। पशुओ में होने वाली बीमारियो से बचने के लिए यहाँ पर समय-समय पर राज्य सरकार द्वारा कैंप लगाकर रोगो से बचाव की जानकारी दी जाती है।

सामोद ग्राम में पाये जाने वाले पशुओं की नस्ले

क्र.सं	पशु का नाम	पशु की नस्ल
1	भैंस	मुर्रा, जाफराबादी, बदावरी इत्यादि
2	बकरी	बारबरी, जमनापरी इत्यादि
3	गाय	देशी, नागौरी, हॉलीस्टर आदि
4	भेड	मगरा, चौकला इत्यादि
5	अन्य	

6

पशु नस्ल

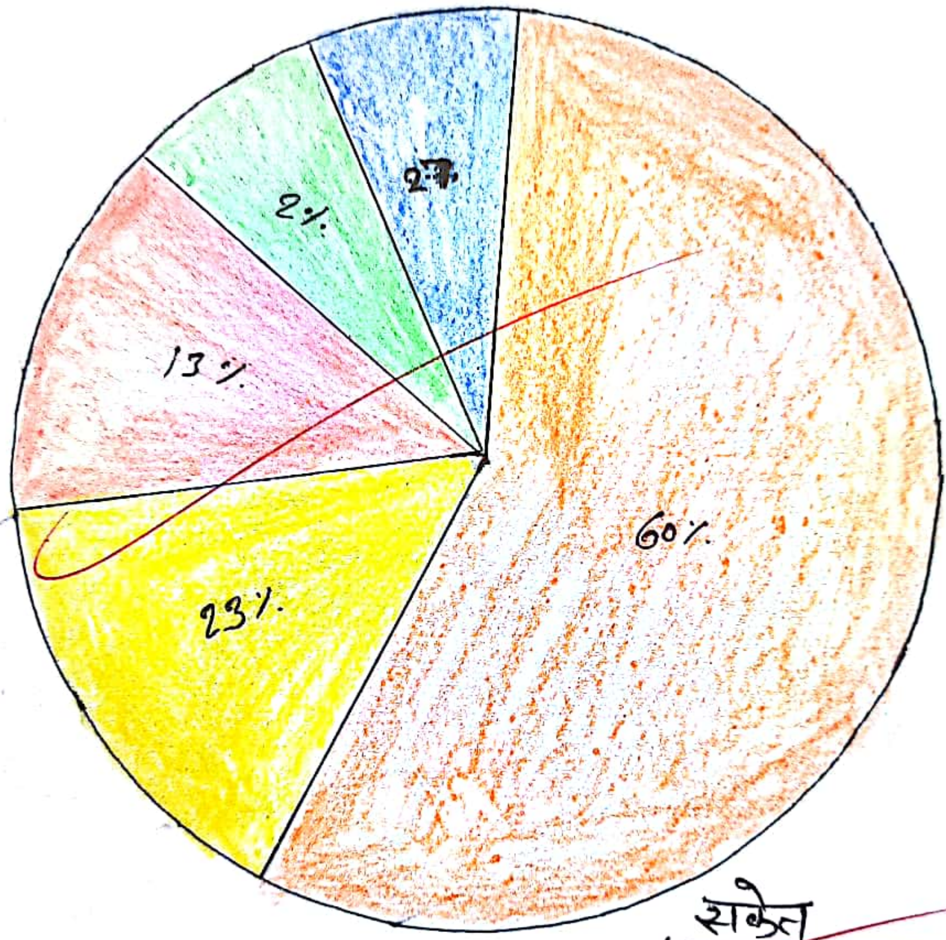

संकेत

भैंस	60
गाय	23
बकरी	27
भेड़	13
अन्य	2

पशुधन

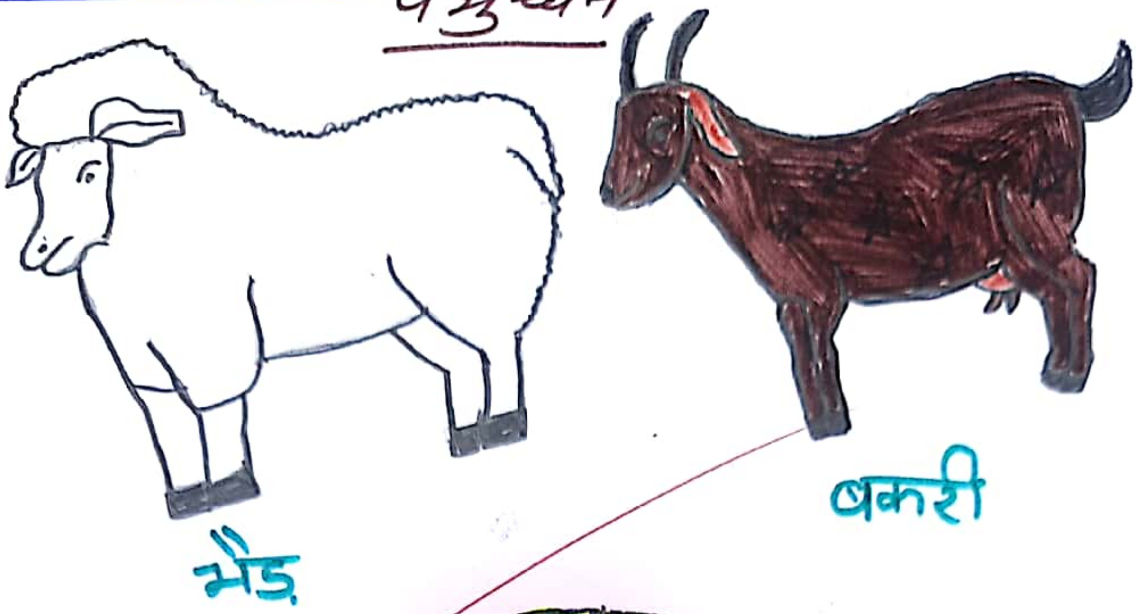

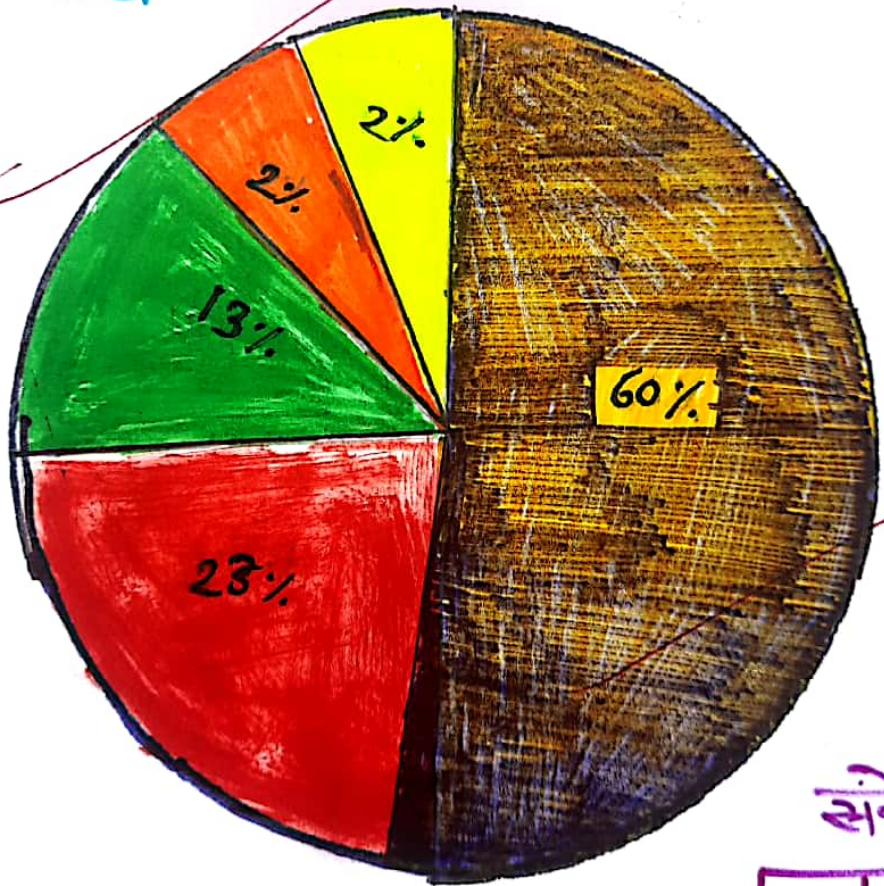

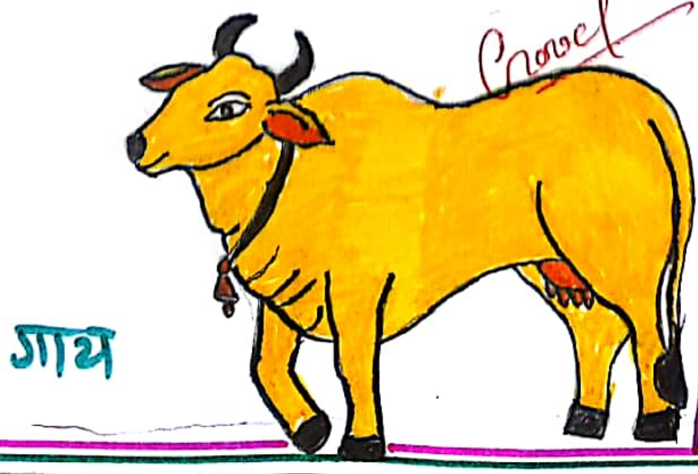

संकेत

60%	भैंस
23%	गाय
13%	बकरी
2%	भेड़
2%	अन्य पशु

8 व्यवसाय :-

सामोद ग्राम में सबसे ज्यादा कृषि कार्य में संलग्न है यहां के लोग कृषि कार्य करके जीवन - यापन करते है। कृषि इनका आर्थिक स्रोत है। कृषि कार्य में 70% लोग कार्यत है। तथा 8% सरकारी कर्मचारी व 5% व्यापारी व्यवसाय में संलग्न है। 17% अन्य सभी कार्य में संलग्न है।

ऊन लघु उद्योग :-

सामोद ग्राम में एक छोटा सा लघु उद्योग व्यवसाय भी है। जिससे वहां की महिलाएं इस उद्योग में संलग्न है। यहां इनका आर्थिक स्रोत है। ऊन उद्योग में महिलाएं चरखे के द्वारा सूत की कताई करती है। तथा यह व्यवसाय गांव की बनी आबादी में किया जाता है। तथा जिविका का कार्य चलता है।

Date ____
Page ____

ग्राम सामोद की आर्थिक अर्थव्यवस्था

→ किसी विशिष्ट वातावरण मे मनुष्य किसी भी प्रकार के क्षेत्रों यंत्रों क्रियाकलापो का प्रयोग तथा वहाँ के संसाधनो का उपयोग तथा किसी अपनी आवश्यकताओ की पुर्ति के लिए करता है उनकी वह आर्थिक अर्थव्यवस्था कहलाती हैं किसी भी क्षेत्र के अर्थव्यवस्था मे वहाँ पाये जाने वाले प्राकृतिक संसाधनो जल, वायु, मृदा आदि का योगदान होता है

सामोद गाँव की आर्थिक स्थिति

→ यह गाँव अर्थव्यवस्था की दृष्टी से सुदृढ है यहाँ पर लोगो की आवश्यकता की पुर्ति के लिए संसाधन उपलब्ध है सामोद गाँव मे मुख्य किया है जबकी अन्य कोई क्रियाएँ लघु स्त्रीविनिर्माण डेयरी, परिवहन आदि सिमित स्तर पर किया जाता है यहाँ पर कृषि सिंचाई के लिए कुआ व ट्यूबवैल की व्यवस्था है फसलो व सब्जियो को पानी देने के लिए फव्वारा व ड्रिप पद्धति अपनाई जाती है।

कृषि मे बुआई निराई, गुडाई, कटाई के लिए विशेष रूप से ट्रैक्टर थ्रेसर, हल व अन्य कृषि यंत्रो का प्रयोग किया जाता है निराई, गुडाई से मिट्टी मे नमी की मात्रा अधिक पाई जाती है जिससे अच्छी पैदावार प्राप्त होती है इस ग्राम मे किसानो के पास कृषि जन्म भूमि कम है लेकिन 40% जनसंख्या कृषि कार्य मे संलग्न है यहाँ पर आधुनिक कृषि पद्धति अपनाई जाती है जिस कारण कृषि विज्ञान केन्द्र की आवश्यकता पडी ?

व्यवसाय

प्रकार	%
कृषक	70%
व्यापारी	5%
सरकारी कर्मचारी	8%
अन्य	17%

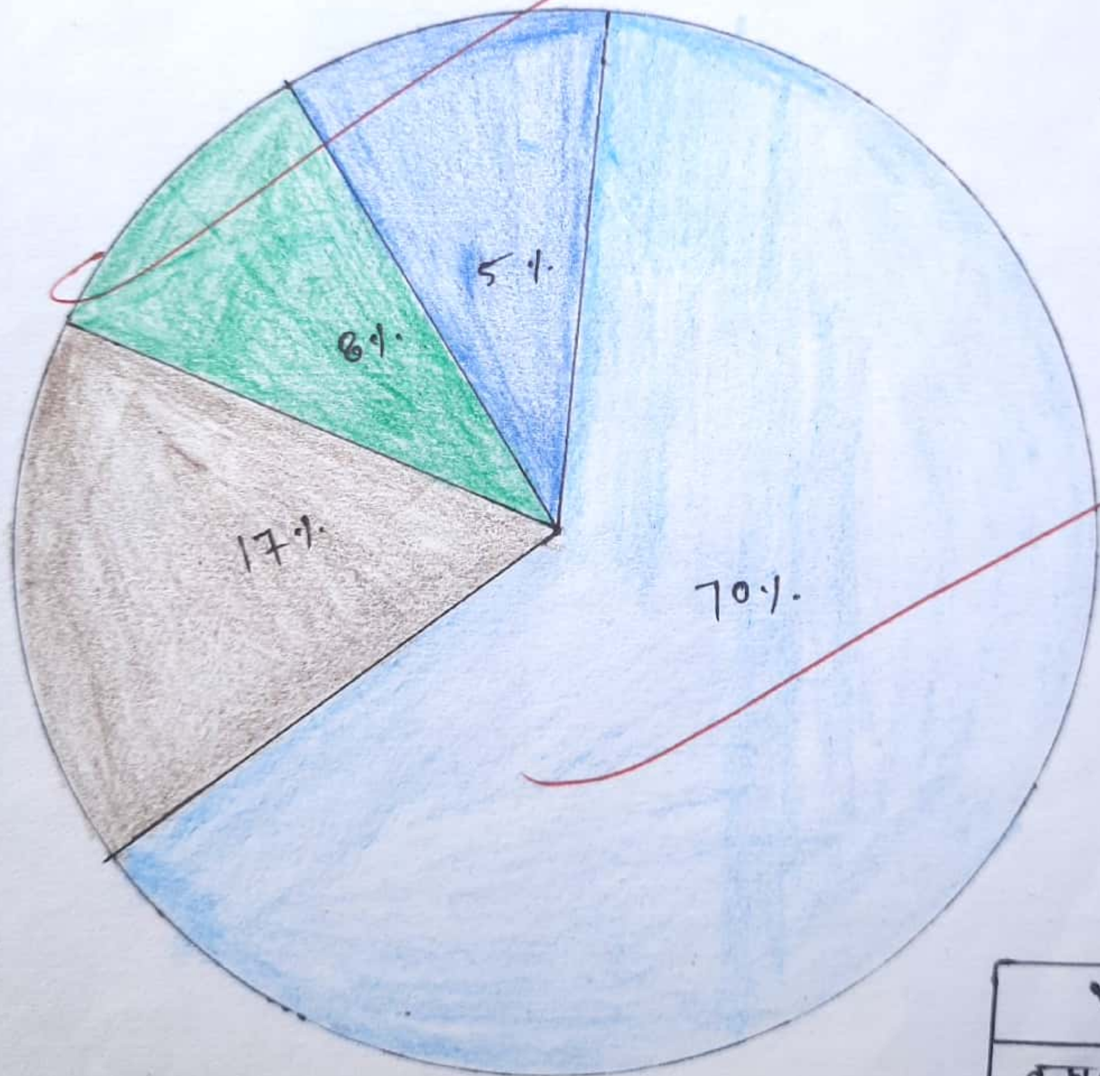

संकेत	
कृषक	
व्यापारी	
सरकारी कर्मचारी	
अन्य	

Date ________
Page ________

9 परिवहन के साधन एवं मार्ग :→ किसी भी क्षेत्र के आर्थिक विकास में परिवहन के साधनों का सबसे महत्वपूर्ण योगदान होता है। आवागमन के साधनों में इस क्षेत्र में कोई समस्या नहीं है क्योंकि इस ग्राम के बीचो-बीच से SH 37A राजमार्ग गुजरता है। तथा इस ग्राम की मुख्य शहर चौमूं N. H. 52 से 10 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। इसलिए आवागमन में किसी प्रकार की कोई समस्या नहीं है. लोग आवागमन के लिए मोटर. साइकिल, गाडियाँ, ट्रेक्टर, ट्रक, रेलगाड़ी आदी वाहनों का प्रयोग करते है। यहां से सरकारी वाहनों की अच्छी सुविधा है जिससे निम्न वर्ग को निजी वाहनों के लिए ज्यादा पैसे खर्च नहीं करने पड़ते है।

परिवहन के साधन

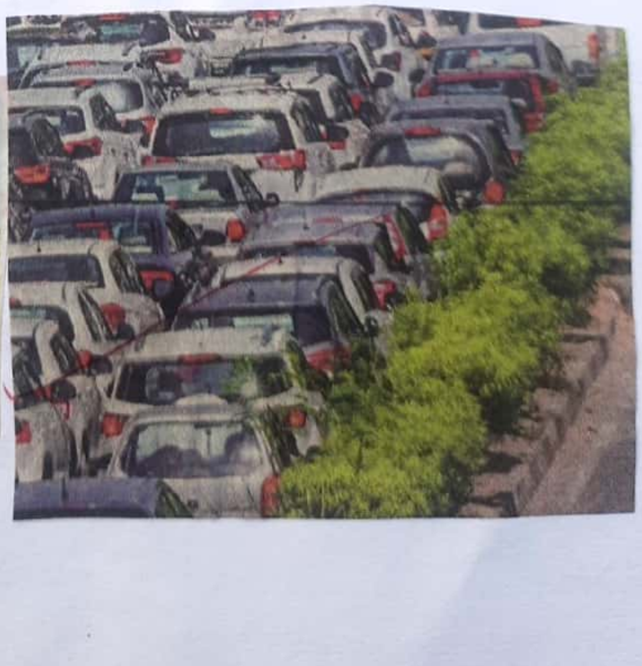

Date
Page

10 शिक्षा :=>

ग्रामोद ग्राम मे शिक्षा की स्थिति उच्च है। इस गाँव मे सरकारी गैर सरकारी स्कूल है। (प्राइवेट) जिसमे 4 से एक 5 सीनियर एक सैकेण्डरी स्कूल सरकारी है। जहाँ गाँव के अधिकांश बच्चे अध्ययन करते है। गाँव मे निजी विद्यालयो की संख्या अधिक है। सरकारी एवं गैर सरकारी विद्यालयो मे छात्र - छात्रों की संख्या अधिक है। यहाँ पर कई कम्प्यूटर भी है, कोर्स के RSCIT के शिक्षण संस्थान भी है इस गाँव मे शिक्षा का स्तर अच्छा है। तथा अधिकांश लोग अपने बच्चो को शिक्षा दिला रहे है।

इस गाँव मे लड़के - लड़कियों को समान रूप से शिक्षा दी जाती है। यहाँ पर अनेक लोग सरकारी नौकरियो मे नियुक्त करते है।

पुरूष साक्षरता :=>

इस गाँव मे पुरूषो की साक्षरता अच्छी है और लगातार वृद्धि हो रही है। इस गाँव मे पुरूषो मे इंजिनियरिंग शिक्षा पुलिस कर्मी शिक्षा विभाग मे अच्छा योगदान दिया है।

महिला साक्षरता :=>

इस गाँव मे पहले महिलाओ की साक्षरता कम थी। लेकिन धीरे - धीरे महिला साक्षरता मे वृद्धि हो रही है। वर्तमान समय मे महिलाएँ हर क्षेत्र मे आगे है। पुरूषो के बराबर कार्य कर रही है।

तथा बढ़ती शिक्षा की वजह से हर सरकारी तथा गैर सरकारी कार्यों में कार्यरत हैं निरंतर वृद्धि हो रही है।

प्रौढ़ शिक्षा :⇒

इस गाँव में प्रौढ़ शिक्षा औसत है वर्तमान शिक्षा व साक्षरता स्थिति ठीक है। भविष्य में शिक्षा की ओर उच्च प्रगति होने मे सम्भावना है।

चिकित्सा सुविधा :⇒

चिकित्सा सुविधायो के लिए इस ग्राम में एक प्राथमिक चिकित्सा केन्द्र है परन्तु यहाँ पर चिकित्सा न होने की वजह से या लम्बे समय तक सीट रिक्त रहने की वजह से लोगों को चिकित्सा का प्रचुर लाभ नहीं मिल पाता है, इस वजह से यहाँ के ग्रामीण लोग अच्छी चिकित्सा सुविधा के लिए चौमू शहर के निजी चिकित्सालयों में जाते हैं। जिससे उनके ज्यादा पैसे खर्च होते है। तथा आर्थिक बोझ बढ़ रहा है। इस लिए चिकित्सा सुविधाएं की गंभीर सुविधा है।

सामोद ग्राम का सरकारी स्कुल

सरकारी स्कूल मे जानकारी प्राप्त करते छात्र- छात्राएँ

स्थानीय सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र से जानकारी लेते हुए छात्र/छात्राओं के दल का दृश्य

॥ खान-पान :→

यहाँ के लोग मौसम के अनुसार भोजन करते है। यहाँ सर्दियों में बाजरे की रोटी व ग्रीष्मऋतु में गेहूँ की रोटी खाते है। यहाँ के लोग सभी प्रकार की सब्जियों का उपयोग करते है।

भाषा :→

यहाँ पर मुख्यतः ढूंढारी भाषा बोली जाती है लेकिन कुछ शिक्षित लोग हिन्दी भाषा का प्रयोग भी करते है।

रीति-रिवाज :→

राजस्थान राज्य के अन्य गाँवो की तरह जन्म-मरण सम्बन्धी आज भी रीति-रिवाज मान्य है। यहां बच्चे के जन्म के समय कुआ पूजन की प्रथा सामिलित प्रचलित है। और मृत्यु हो जाने पर मृत्यु भोज ऐसी कुप्रथाएं प्रचलित है।

वेश-भूषा :→

यहाँ के लोग वेशभूषा में धोती-कुर्ता व साफा पहनते है। स्त्रियां घाघरा चोली, सूट पहनती है। लड़कियाँ सलवार-सूट, लम्बी कुर्ती जींस शर्ट पहनती है। और लड़के पेंट शर्ट, टी शर्ट आदि पहनते है।

आभूषण :->

स्त्रियां आभूषण में नथ, झूमर, कड़ा, बाली, अंगूठी, पायल, बिछूड़ी, सोने के कंगन, हार पहनती है पुरुष कानों में मुर्की, हाथो में अंगूठी पहनते है।

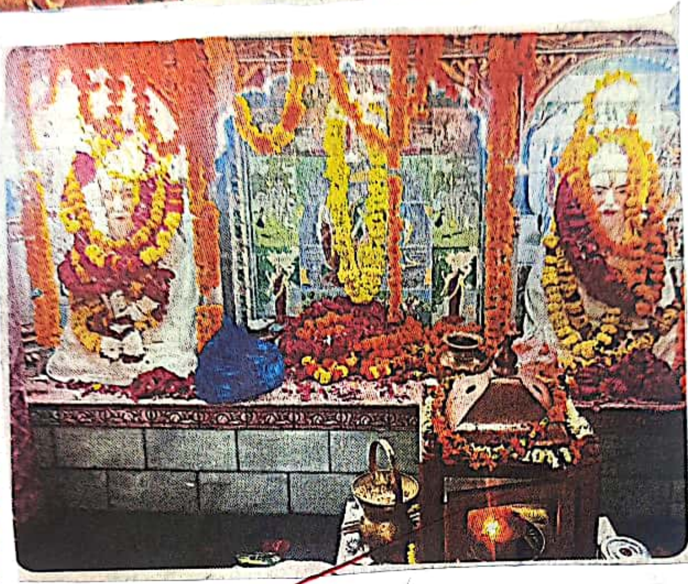

खान-पान, रीतिरिवाज, वेशभूषा

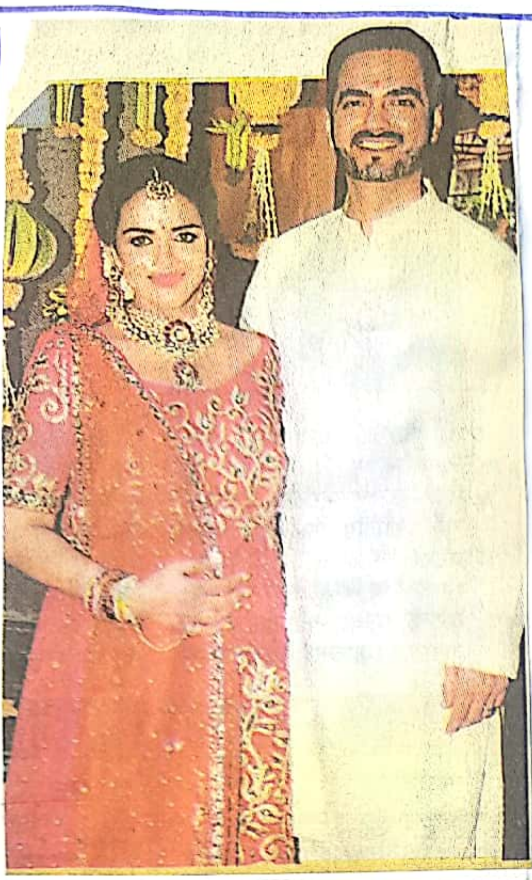

वेश-भुषा

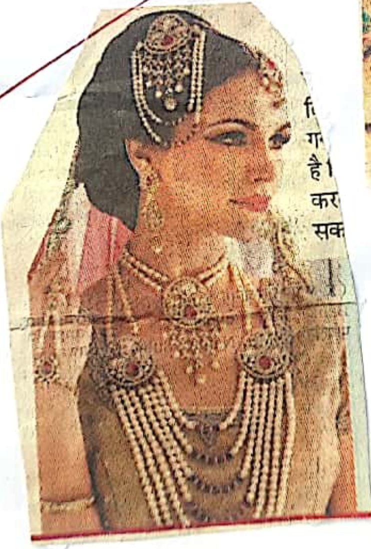

(9)

Date ______
Page ______

12 ## जनसंख्या लिंगानुपात:-

सामोद ग्राम में 2011 की जनगणना के अनुसार जनसंख्या लगभग 9.365 मानी गई है। जिसमें पिछले वर्ग की 2001 की जनगणना के अनुसार उस जनगणना में तीव्र वृद्धि हुई है सामोद ग्राम में 1961 से 2011 के अन्तर्गत में जनसंख्या में बहुत वृद्धि हुई है। जिसको 1961 में 2000, 1971 में 2500, 1981 में 3.635 तथा 1991 में 5,238, 2001 में 7215 तथा 2011 कम जनसंख्या पाई गई है।

लिंगानुपात:-

हर गाँव का लिंगानुपात उस गाँव की जनसंख्या के संतुलन के लिए अहम् माना जाता है लेकिन इसमें 1950 से 2011 के मध्य में लिंगानुपात में कमी आई तथा 1950 में 2002 थी जो घटाकर 2011 में 897 में ही रह गयी।

ग्राम पंचायत से जनसंख्या की जानकारी लेते हुए दल का दृश्य

सामीह गाँव का घनत्व

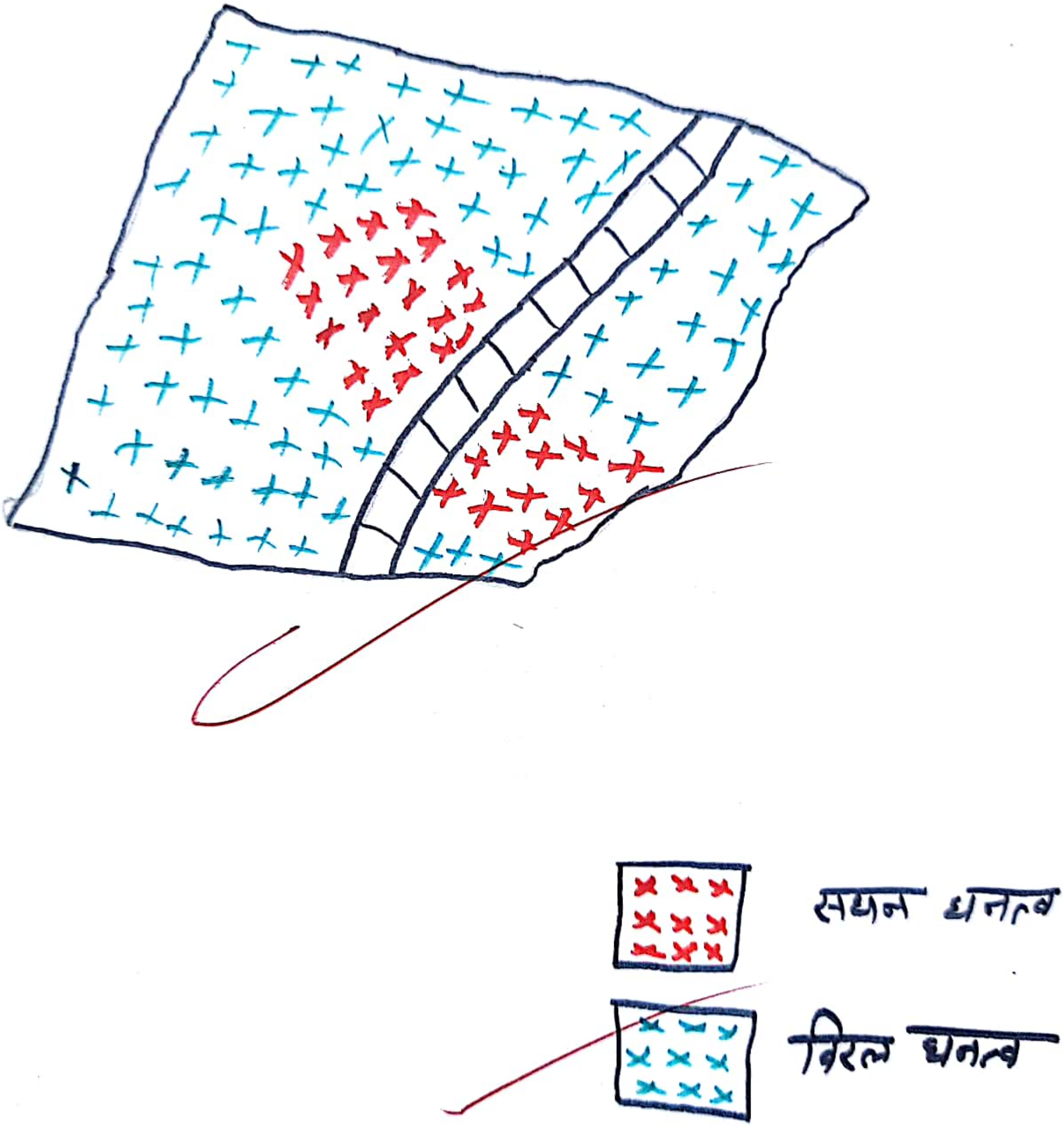

लिंगानुपात

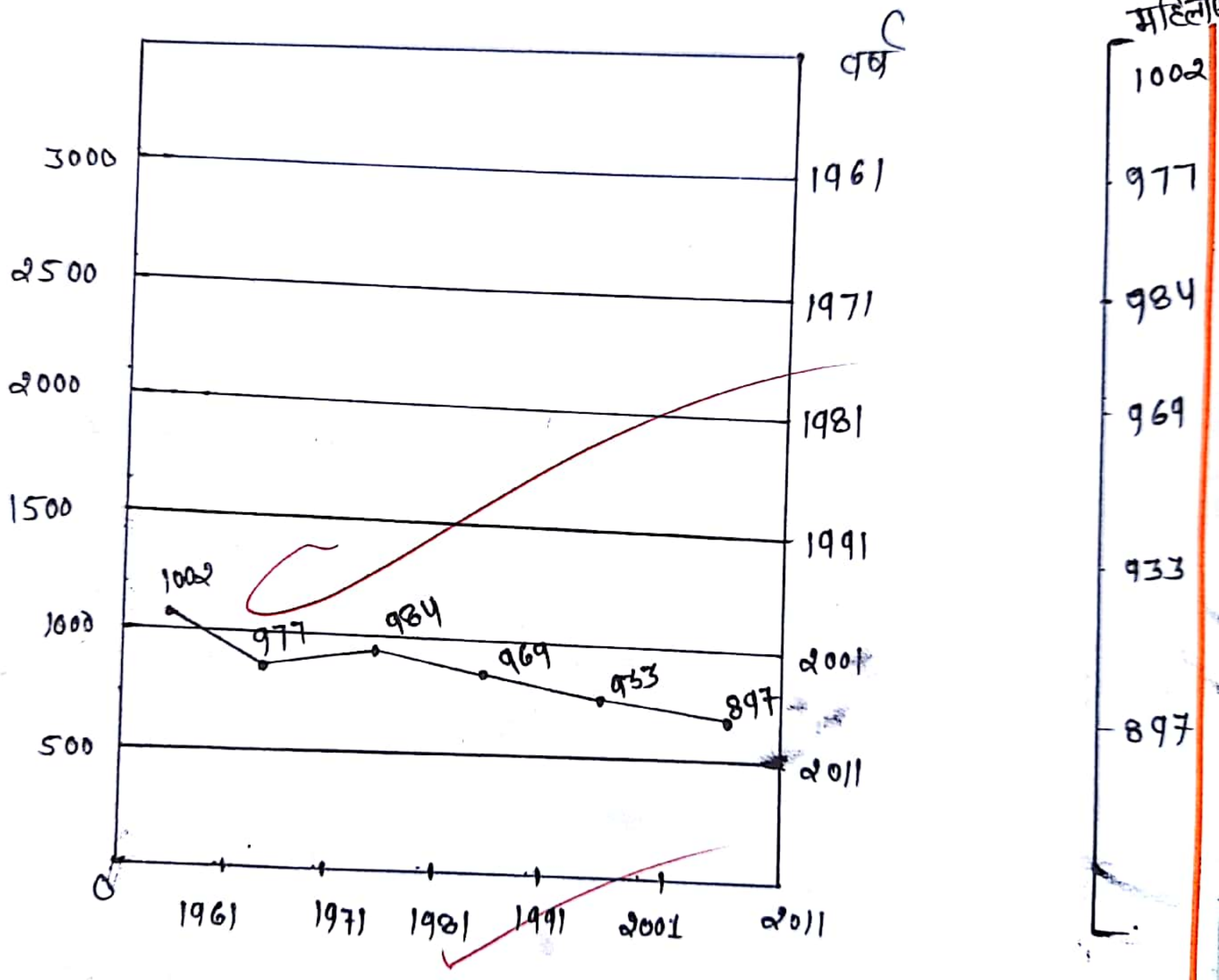

वर्ष
3000
2500
2000
1500
1000
500
0
1961
1971
1981
1991
2001
2011
1002
977
984
969
953
897
महिला
1002
977
984
969
933
897

जनसंख्या वृद्धि

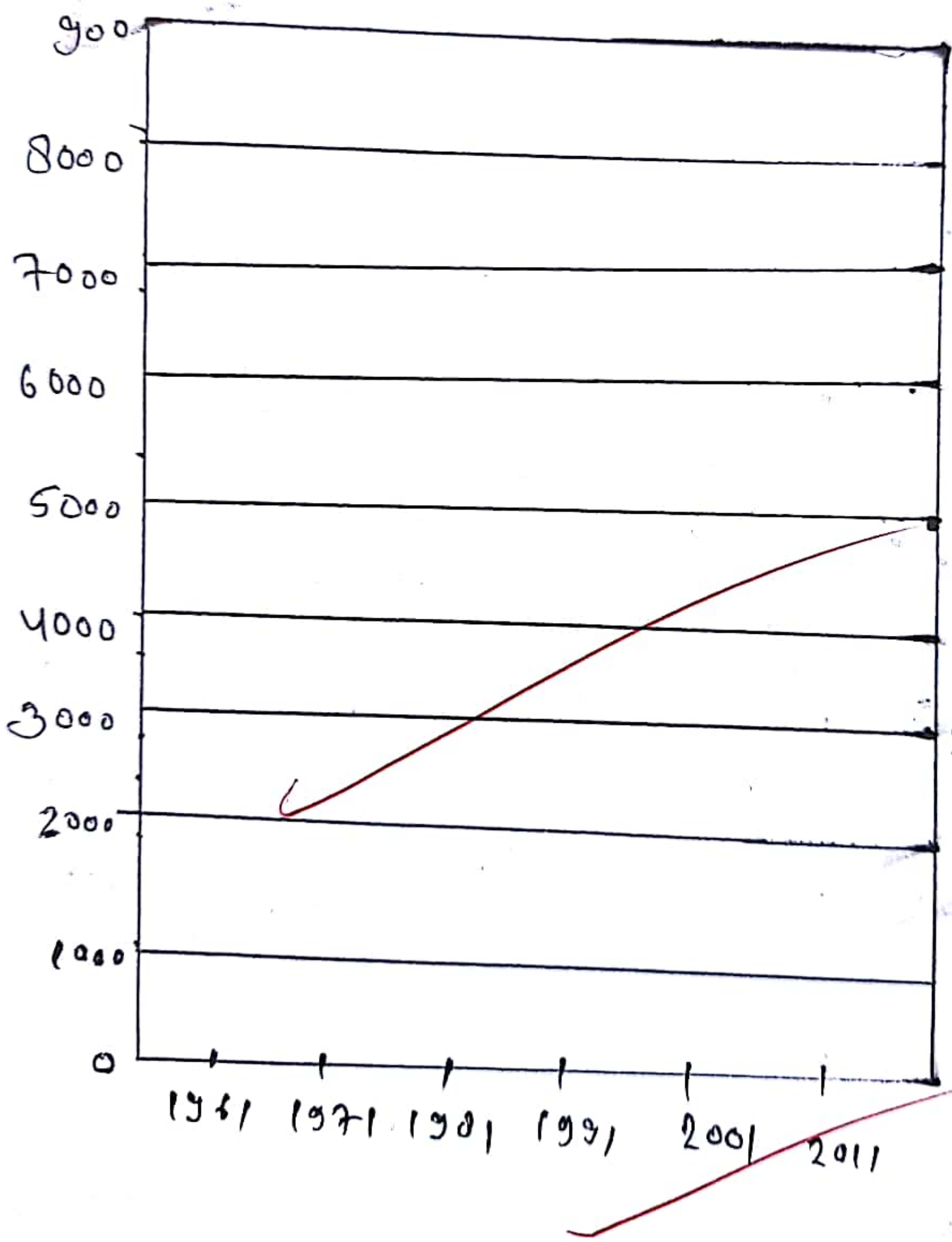

संकेत

वर्ष	जनसंख्या
1961	1900
1971	2100
1981	3000
1991	4200
2001	6100
2011	7200

जनसंख्या ग्राफ

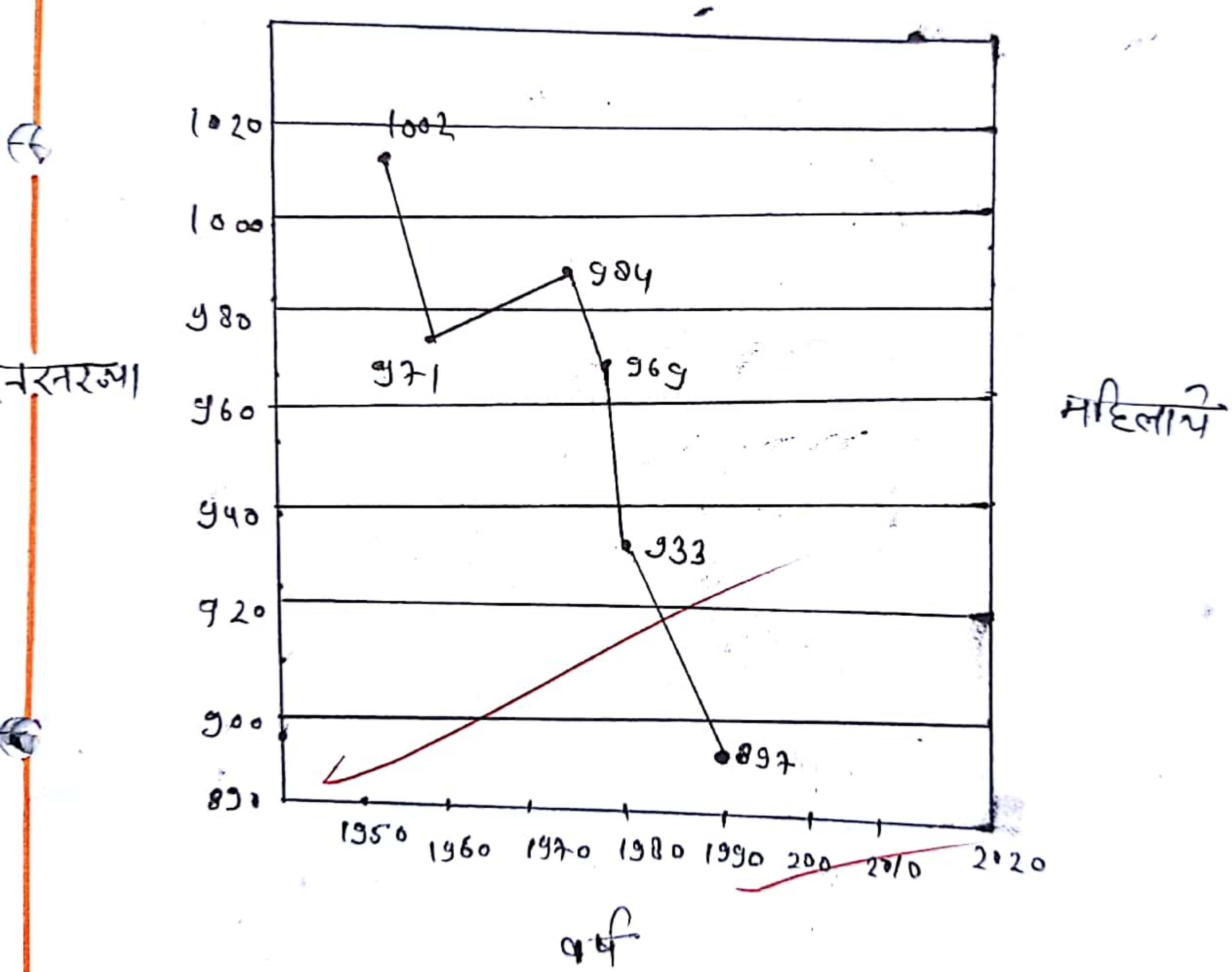

1020
1000
980
960
940
920
900
890
1002
971
984
969
933
897
1950
1960
1970
1980
1990
200
2010
2020
जनसंख्या
महिलायें
वर्ष

Date ______
Page ______

बैंक का नाम राजस्थान ग्रामीण बैंक है,

सरकार द्वारा प्रायोजित करवाई गई अनेक योजनाओं का लाभ सरकार द्वारा मिलेगा तथा अपनी बचत के लिए आयाम मिलता है। इसकी अर्थव्यवस्थाओं सुदृढ़ चौमूं कस्बे के अन्तर्गत सामोद गांव का सर्वेक्षण करने पर ज्ञात हुआ है पर जो SBB, बैंक की है मिनि शाखा RMGB नहीं है।

इसके कारण लोगों को स्थानीय लोगों को सुविधाएं नहीं मिल पाती स्थानीय लोगो को बैंको से सुविधाएं प्राप्त करने के लिए चौमूं कस्बे मे जाना पड़ता है।

45

Date ____
Page ____

14 भारत सरकार द्वारा चलाई गई ग्रामीण विकास योजनाएं :-

1. भामाशाह योजना :-

राजस्थान सरकार की महिला वित्तीय सशक्तिकरण की सबसे बड़ी योजना है। मुख्यमंत्री श्रीमती वसुन्धरा राजे सींधिया ने 15 अगस्त 2014 को मेवाड़ अंचल के उदयपुर शहर से इस योजना का शुभारम्भ किया। यह ड्रीम प्रोजेक्ट देश की आजादी के पावन दिवस पर प्रदेश की करीब डेढ़ करोड़ महिलाओं के लिये वित्तीय आजादी का उपहार है जो उन्हें आर्थिक रूप से परिवार पर निर्भर रहने की मजबूरी से मुक्त करेगा यह योजना प्रदेश की नारी शक्ति को एकता के सूत्र में बांधकर आर्थिक अधिकार देने का प्रयास है।

2. भामाशाह स्वास्थ्य बीमा योजना :-

भामाशाह स्वास्थ्य बीमा योजना का आरम्भ 13 दिसम्बर 2015 से किया गया योजना के अन्तर्गत पात्र परिवारों को कैशलेस स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध करवाई जाती है। सरकारी अस्पतालों के साथ-साथ चुनिंदा निजी (प्राइवेट) अस्पतालों में भी सेवाएं उपलब्ध करवाई जा रही है राज्य के लोगों के स्वास्थ्य पर होने वाले खर्चे को कम करना इस योजना का उद्देश्य है।

3. मुख्यमंत्री जल स्वावलम्बन अभियान :-

गाँव में वर्षा

Date ______
Page ______

का पानी बहकर जाने की बजाय गाँवो के ही निवासियों का पानी बहकर पशुओं और खेतों के काम आए शुरुआत की गई।
बारिश के पानी एक-एक बूंद को सहेजकर गाँवो को जल आत्मनिर्भरता की ओर इस अभियान का मूल उद्देश्य है।

19/2/18

श्री ... विद्यालय ... चौमू ... जयपुर

SHRI KRISHAN MAHAVIDHALYA, GOVINDGARH (JAIPUR)

Students List, M.A. Pre. GEOGRAPHY REGULAR

EXAM FORM FILL 2017-18

S.NO	Student Name	Father's Name	ADDRESS	Mob. No
1	AKTA YADAV	RAMKUWAR YADAV	RAMPURA	9166093836
2	ASHOK KUMAR JANGID	SURESH KUMAR JANGID	SIRSA NANGAL GOVIND	8890602731
3	BABU LAL BUNKAR	BANWARI LAL BUNKAR	KANARPURA	7790941105
4	BINDU YADAV	SHIVPAL SINGH	SARGOTH	9599614904
5	GANESH KUMAR SAINI	MADAN LAL SAINI	KHEJROLI	8740811673
6	GUDDU KUMAWAT	LAL CHAND KUMAWAT	GOVINDGARH	9799341621
7	GUDDU SHARMA	ASHOK KUMAR SHARMA	GOVINDGARH	9521590321
8	HANSA YADAV	GOPAL KRISHAN YADAV	UDAIPURIA	8003041540
9	JHIMMU YADAV	RAMSAHAI YADAV	ANATPURA	7891759834
10	JITENDRA KUMAR BAVARIYA	BHAGAWAN SAHAY BAVARIYA	TATERA MODE	9694085964
11	JYOTI KUMAWAT	MOHAN LAL KUMAWAT		
12	KALYAN SAHAY SAINI	LAXMI NARAYAN SAINI	MORIJA	9667407658
13	KIRTI NAGAR	MOHAN LAL RAIGAR	DHODHSAR	7688823275
14	MAHENDRA GARER	MOHAN LAL GARER	KOYALI DEVI	8003629808
15	MAHENDRA KUMAR GORA	PAPPU LAL GORA	SPD	
16	MANOJ YADAV	SARDAR MAL YADAV	CHIMANPURA	9649373536
17	MOHAN LAL YADAV	BANWARI LAL YADAV	UDAIPURIA	8003041540
18	OMPRAKASH JAT	MANGALI DEVI JAT	JAICHANDPURA	8890093891
19	POOJA YADAV	KAILASH CHAND YADAV	TIGRIYA	9269567264
20	POONAM KANWAR SHEKHAWAT	MOOL SINGH SHEKHAWAT	BIMLA KANWAR	9521359592
21	POONAM KUMAWAT	SHANKAR LAL KUMAWAT	GOVINDGARH	7792882711
22	RAJ KUMAR KUMAWAT	GOPAL LAL KUMAWAT	BHUTERA	9887801161
23	RAJENDRA KUMAR YADAV	BABU LAL YADAV	TIGARIYA	9782308551
24	RAKESH KUMAR MUWAL	MURLI DHAR JAT	BILONCHI	9785855589
25	RAKESH KUMAR SAINI	KAILASH CHAND SAINI	BHOJLAWA	7737618890
26	RAKESH KUMAR YADAV	RAMESH CHAND YADAV	DEVTHALA	9875183766
27	SANJAY YADAV	PAPPOO LAL YADAV	CHANDA DEVI	9636625296
28	SANTOSH MAN	KANA RAM MAN	VISHANPURA CHARANWAS	9610183199
29	SARITA YADAV	LAXMI NARAYAN YADAV	CHIMANPURA	8385815053
30	SONI YADAV	MAHADEV YADAV	KANWARPURA	9785363383
31	SONU SHARMA	ASHOK SHARMA	GOVINDGARH	8209821506
32	SUMAN BAJYA	GOPAL CHAND BAJYA	BARWADA	7023727341
33	SUMAN YADAV	SUGAL CHAND YADAV	ANATPURA	9694893992
34	SUMAN YADAV	SURGYAN YADAV	TIGRIYA	9610151313
35	SUNIL KUMAR BUNKAR	GIRDHARI LAL	BHUTERA	7742515497
36	SURENDRA YADAV	GIRDHARI LAL YADAV	NATHI DEVI	7976210761
37	TARA KUMAWAT	MANGI LAL KUMAWAT	BALEKHAN	8432150961
38	TULSI KUMAWAT	NANCHHU RAM KUMAWAT	SARDARPURA ROJATA	8290140432
39	VIJENDRA KUMAR GAREED	RAM PRASAD GARED		7793834060
40	VIKASH KUMAWAT	SURENDRA KUMAR KUMAWAT		9166058664

19/2/18

श्री कृष्ण महाविद्यालय
गोविन्दगढ़, तह. चौमू